QJR-3-HI

चेलों के सामने जी उठे यीशु के प्रकट होने के सबूत क्या हैं?

डॉ। जॉन एकरबर्ग : 2000 साल से मसीही चर्च इस बात का दावा करते आया है कि उसके जीवन के अंत में, यीशु नासरी क्रूस पर चढाया गया, फिर गाढ़ा गया और फिर तीसरे दिन, मुर्दों में से जो उठा/

डॉ क्रेग इवांस: इसके सबूत हैं, इसके स्रोत हैं, चित्र साफ और स्पष्ट है, और मेरा अपना दृष्टिकोण ये है कि ये चित्र सहमत करनेवाला है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : लेकिन दुसरे लोग दावा करते हैं, कि यीशु क्रूस पर नही मरा, वो केवल वहां से निकलकर कब्र में चला गया, कुछ आधुनिक विद्वान् दावा करते हैं कि यीशु की देह क्रूस से उतारी गई, और कचरे के ढेर पर फेकी गई, और उसे जंगली कुत्तों ने खा लिया, यीशु के पुनरुत्थान में प्रकट, तो केवल भ्रम या दू;ख के दर्शन के सिवा कुछ नही था, वो सच में स्वयं यीशु का शारीरिक प्रकटीकरण नही है/

डॉ। एडविन यामाउची: अब यदि पुनरुत्थान नही होता, तो हम यहाँ नही होते, कहे तो, कोई भी मसीही चलन नही होता/

डॉक्टर गेरी हाबरमास: मैं दस साल तक दोष निकालनेवाला था, मेरे लिए तो जीवन का कोई अर्थ नही था, मैं सोचता हूँ, जब मैं गाढ़ा जाता हूँ, और मेरी कब्र पर पत्ते उड़ते हैं, या इसका ये अर्थ है, मेरे लिए मैं पुनरुत्थान के विषय पर विशेषज्ञ हूँ, क्या आप जानते हैं कि ऐसा समय था जब मैं सोचता था कि मेरे रिसर्च का क्या होगा, लेकिन इसका निष्कर्ष यही हुआ कि इसने मुझे जंगल से बाहर निकाला, परेशानी से बाहर,और मेरे लिए पुनरुत्थान तो सच में यही कहता है/ जीवन का अर्थ है, एक अनन्तकाल है, सब इसी लिए क्यों कि यीशु मसीह मुर्दों में से जी उठा है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ऐतिहासिक सबूतों जो सांसारिक और पृथ्वी का स्रोतों का परिक्षण क्या प्रकट करता है/

डॉक्टर लेन क्रेग: हमें यीशु को यीशु रहने देना होगा, हमें उसे खुद के लिए बोलने देना होगा, और वो जो है वही होने देना है, नही तो हम बस अपने विचार थोपेगे,अपना राजनैतिक सही यीशु, इतिहास के यीशु पर/ और आप उस यीशु को लेकर आएगे जो बिलकुल आप के जैसे दिखता है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ये आपके जीवन में क्या फर्क लाता है/ यदि ये सबूत इस निष्कर्ष पर लेकर आएं, कि यीशु सच में मुर्दों में से जी उठा है/

रेल बॉक: यदि यीशु वही है जो होने का दावा करता है/ तो फिर हम सब यीशु के सामने लेखा देगे/ और उसका सामना करना मुश्किल होगा/

हम आपको न्योता देते हैं कि इस विशेष प्रोग्राम में जुड़ जाए, द जॉन एन्करबर्ग शो में/ और संसार के विख्यात इतिहासकार, थियोलिजीयन और आर्कियोलोजिस्ट की सुने, जो इस पर चर्चा करते हैं/

****

डॉ। जॉन एकरबर्ग : स्वागत है, हम यीशु के जीवन को देख रहे हैं/ क्या उसने कभी खुद को परमेश्वर के पुत्र के रूप में बताया है? क्या उसने कभी सिखाया कि वो संसार के पाप के लिए क्रूस पर मरेगा/ और उसकी मृत्यु के बाद, क्या कोई सबूत है कि यीशु सच में मुर्दों में से जी उठा और अपने चेलों के सामने प्रकट हुआ/ क्या काफी ऐतिहासिक सबूत हैं जो उनकी अगुवाई करेगे जो सच में जानना चाहते हैं, मजबूत सत्य के निष्कर्ष में, जब कि दोष निकलनेवाले बिश्वास करते हैं कि इस तरह के सबूत हैं, पिछले कुछ हफ्तों से हमने 12 ऐतिहासिक सबूत देखे हैं, जिसे आज लगभग सब दोष निकालनेवाले विद्वान् स्वीकार करते हैं, यीशु के जीवन के बारे में/ और 5 वा तथ्य ये है/ इस लिस्ट में, ये तो चकित करनेवाला है/ वो ये है. चेलों ने अनुभव पाया था जिस पर वो विश्वास करते थे कि वो जी उठे यीशु का उन पर प्रकट होना है/ अब मैंने इतिहासकार डॉक्टर गैरी हैबरमास से पूछा इस तथ्य के लिए सबूत क्या है? सुनिए/

डॉक्टर गेरी हाबरमास: खैर ये विश्वास करते हैं कि यीशु क्रूस पर चढाया गया है, लेकिन सब इस में जुड़ जाते हैं और मानते हैं, मैं सोचता हूँ कि सबसे मुख्य बात तो ये है कि वहां बहुत से आँखों देखे गवाह थे, कि कुछ चेले, स्त्री और पुरुष, जिन्होंने गहराई से विश्वास किया कि उन्होंने जी उठे यीशु का प्रकटीकरण देखा है/ या इसे अलग तरह से कह सकते हैं, उन्होंने अनुभव किया था, जिसे उन्होंने सोचा कि ये जी उठे यीशु का प्रकटीकरण है, और हम ये जानते हैं, क्योंकि उन्होंने इसकी घोषणा की, मैं सोचता हूँ कि ये यीशु के जी उठने के लिए एक सबसे बड़ी गवाही है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : अब डॉक्टर बेन विथरिंगटन ने बहुत ही विख्यात बुद्धिमानी की किताबें लिखी हैं, ऐतिहासिक यीशु पर, और ये नए नियम के प्रोफेसर हैं, अस्बेरी थियोलोजिक्ल सेमनरी में, मैंने उनसे पूछा, इतिहासकार क्यों सोचते हैं कि यीशु अपने चेलों पर क्यों प्रकट हुआ? उन्होंने इस पर विश्वास किया लेकिन आप कैसे जानते हैं कि वो कुछ देख रहे थे?

डॉक्टर बेन वेथरिंगटन: खैर, चेलों की सय्क्लोजिक्ल प्रोफाइल के संबंध में यदि हम विश्वास करते हैं, कि ये सत्य है, कि उन्होंने यीशु का इनकार किया और उसे छोड़ दिया/ कि जब वो क्रूस पर मर रहा था तब उन्होंने उसे छोड़ दिया था, सय्क्लोजिक्ली कुछ महत्वपूर्ण होना था, कि उनके

मन को इस खास बात के लिए बदल दे, यीशु के क्रुसिकरण के बाद, क्योंकि याद रखीए यहूदी क्रूसित मसीहा को नही देख रहे थे, यदि हम सोचते हैं कि यीशु मसीहा है, और वो क्रूस पर चढाया जाता है, ये दिखता है कि वो शापित था, परमेश्वर के द्वारा आशीषित नही था, परमेश्वर का अभिषिक्त नही था, याने यहाँ वो पूरी तरह से बिखर गए थे, उनका संसार उथल पुथल हो गया था, उन्होंने अपने जीवन में 2-3 साल इसके साथ बिताए थे, खासकरयीशु के पीछे चलने से कुछ नही मिला/ इस दृष्टिकोण को क्या बदल देगा/ ऐसा कुछ जो उन में से बाहर का हो, उसे उन पर प्रभाव डालना है, स्लेज हथोड़े जैसे उनके सिर पर मारना होगा, कि उन के मन को बदल दे, कि यीशु मरकर चला गया है/ कुछ अद्भुत होना ही होगा,मार्टिन डीबेलिरस, जर्मन विद्वान् ने कहा है, हमें एक्स में इतना ज्यादा निवेश करना होगा,यीशु की मृत्यु में और शुरू के चर्च के जन्म में, कि ये संबंध बता सके/ यदि वो एक्स में इतना बड़ा निवेश नही करते हैं, तो ऐतिहासिक संबंध नही बताते हैं/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : अब आगे हम पूछना चाहते हैं, क्या कोई गवाह है संसार के अविश्वासी लेखक की ओर से, जो ये दर्शाता है कि वो जानते थे कि यीशु के चेले विश्वास करते हैं कि वो उन पर प्रकट हुआ, इसका जवाब हाँ है, डॉक्टर गैरी हैबरमास इसे बताते हैं/

डॉक्टर गेरी हाबरमास: हमारे पास स्रोत हैं जैसे कि फलेगन, जो हमें बताते हैं कि ये अंधकार जो क्रूस के समय पृथ्वी पर था, उन्होंने कहा कि वो चेलों पर प्रकट हुआ, और उसने चेलों को दिखाए अपने जख्म और अपना शरीर, और फिर से हमें बताया गया कि उन्होंने उसे स्पर्श नही किया, लेकिन उसने जी उठने के बाद खुद को चेलों पर प्रकट किया/

जोसिफ्स ने बहुत ही विवाद के वाक्य में कहा, कि यीशु ने खुद को 3 दिनों के बाद प्रकट किया, जब कि बहुत विद्वान् इस वचन के बारे में सोचते हैं, कि इसे सच में पढना चाहिए, कि चेलों ने सोचा की वो 3 दिनों बाद उन पर प्रकट हुआ है, और यदि यही पढ़ना था जिसे बहुत से विद्वान् मानते हैं, ये तो यही बात है जो हम यहाँ बता रहे हैं/

हमारे पास कुछ नोस्टिक स्रोत हैं जो जी उठने को मानते हैं, मैं सोचता हूँ कि ये सत्य का सुसमाचार है, ये तो बहुत शुरू का है, इस में जी उठने पर ट्रितेस भी है, जो बताता है और थोमा का सुसमाचार भी, थोमा के सुसमाचार पर बहुत विवाद हुआ है, कोई कहेगा हाँ थोमा के सुसमाचार में कोई मरना और जी उठना नही था/ लेकिन वो शुरू की लाइन थोमा के सुसमाचार में, जो जी उठा है वो ही कह रहा है/ याने जो जीवित है, वो कहता है, तो जैसे अकसर कहा जाता है, थोमा का पूरा दृष्टिकोण ही जी उठे यीशु पर था/

दो इतिहासकार हैं टैसेतोस और स्टोनिय्स, दोनों बहुत ही आदरणीय रोमी इतिहासकार हैं, जो जी उठना नही सिखाते हैं, लेकिन उन्होंने अजीब बात कही, इस के मरने के बाद, ये अजीब अन्धविश्वास नए रूप में आया, तो हमें कहना होगा कि इस अजीब शिक्षा की बुनियाद क्या है, जो भूमध्य में फैल रही थी/

तो यहाँ कुछ इतिहासकारों से कुछ हिंट्स हैं, कुछ सीधे कमेंट्स हैं, फ्लेगन और शायद जोसिफ्स से भी/ कुछ नोस्टिक सुसमाचार हैं ये तो काफी हैं नए नियम को छोड़कर/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : अब इन सब के साथ ही, मसीही लेखकों की ओर से क्या सबूत हैं, जो ये दर्शाता है कि यीशु बहुत से लोगों पर प्रकट हुआ, उसकी मृत्यु के बाद/ फिलोसोफर डॉक्टरविलियम लेनक्रेग, ऐतिहासिक जानकारी देते हैं, पौलुस की पत्रियों से, कुरिन्थियों के चर्च के लिए, जो आज बहुत से दोष निकालनेवाले विद्वान् के लिए बहुत ही सहमत करनेवाली है/ कि शुरू के चेले, समूह और लोगों ने सच में जी उठे यीशु के प्रकटीकरण को देखा है/ सुनिए/

डॉक्टर लेन क्रेग: मुख्य घटना जिसने, सच में पुरे नए नियम के विद्वानों की अगुवाई की है कि सकारात्मक रूप में इस बात पर ज़ोर दे, कि ये प्रकटीकरण जो यीशु की मृत्यु के बाद में हुआ, ये तो प्रकटीकरण था नए नियम के जर्मन विद्वान् के द्वारा जोआकिम जरमीयस के द्वारा/ कि पहला कुरिन्थियों 15 में, पौलुस नही लिख रहा है अपने ही शब्दों में, लेकिन वो शुरू के मसीही परंपरा से कोट कर रहा था, या कह रहा था कि उसने पाया है, और उसे बाद में अपने अनुयायियों को दे दिया/ वो यहाँ टेक्निकल रब्बी के शब्दों में कहता है, इसे पाने और पवित्र परंपरा को दूसरों को देने के बारे में, और पौलुस कुरिन्थियों से कहता है कि मैं तुम्हें देता हूँ, जो जानकारी मैंने पाई है, खासकर और फिर वो इसे कोट करता है, पुरानी पौलुस के पहले की परंपरा/ कि मसीह हमारे पापों के लिए मरा, वचन के अनुसार, और बो गाढ़ा गया और फिर वो तीसरे दिन जी उठा, वचन के अनुसार ही, और वो कैफा के सामने प्रकट हुआ और फिर 12 चेलों के सामने और फिर वो एक बार 500 से भी ज्यादा भाइयों के सामने प्रकट हुआ, उन में से बहुत से लोग अब भी जीवित हैं/ और कुछ सो गए हैं/ फिर वो याकूब के सामने प्रकट हुआ, और सारे प्रेरितों पर भी/ और फिर अंत में पौलुस कहता है, मैं जो इस समय पैदा हुआ हूँ वो मुझ पर भी प्रकट हुआ है/

ये शुरू की परंपरा में वो 500 से भी ज्यादा लोगों पर प्रकट होता है, यीशु क्र क्रुसिकरण के 5 साल में ही/ और इसलिए हम शुरू के मसीही परंपरा में देखते हैं कि खास आँखों देखे गवाह के नाम दिए गए हैं, और लोगों के समूह जो शुरू के चर्च में बहुत है विख्यात थे/ जिन्होंने कम से कम दावा किया कि उन्होंने यीशु नासरी को मरने के बाद जीवित देखा था/ अब हम इसे मन का भ्रम कह सकते हैं, यदि हम चाहे तो, लेकिन हम इसका इनकार नही कर सकते हैं कि ये हुए नही, उदाहरण के लिए पौला फ्रेडरिसन ने ए बी सी स्पेशल में कहा था, एक इतिहासकार के रूप में, मुझे ये मानना होगा कि ये लोग सच में विश्वास करते थे कि इन्होने कुछ देखा है, और इसने उनका जीवन बदल दिया/

तो केवल इसी कारण के लिए, जैसे मैंने कहा कि ये बहुत ही अद्भुत है नए नियम के विद्वानों में, कि ये शुरू के चेले, समूह और व्यक्तिगत रूप में बढ़ते चले गए, उन्होंने सच में यीशु के मरने के बाद उसके जी उठने का अनुभव भी किया था/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : चलिए मैं आप से पूछता हूँ कि आप क्या सोचते हैं कि यीशु कितने लोगों पर प्रकट हुआ था, मुर्दों में से जी उठने के बाद/ क्या वो केवल कुछ लोगों पर प्रकट हुआ, या केवल विश्वासियों पर, इसका जवाब तो नही है, और इतिहासकार डॉक्टर गैरी हैबरमास इन सबूतों को देखते हैं, और मैं सोचता हूँ कि ये आपको चकित कर दे/ सुनिए/

डॉक्टर गेरी हाबरमास: अब अवश्य ही मख्य बात तो यहाँ है पहला कुरिन्थियों 15 में, अब यहाँ व्यक्तिगत सूची दी गई है/ चर्च के लीडर्स को/ पौलुस, पतरस से शुरू करता है, खुद को बिच में रखता है, अंत में याकूब याने यीशु के भाई को रखता है/ तीन मुख्य लोग जिन्होंने यीशु को देखा था, लेकिन ऐसे भी समूह थे जो बहुत ही महत्वपूर्ण थे कि इस प्रकट होने के बारे में बताए, याने 12 थे और चेलों का समूह था, और 500 से भी ज्यादा भाई थे, जिन में से ज्यादा लोग जीवित थे/

अब जब हम सुसमाचार में जाते हैं और मैं सोचता हूँ, कि ये अच्छा मुद्दा है, हमारे पास स्त्रियों की गवाही है, याने बहुत सी स्त्रियाँ कब्र पर आई थी, और शायद मरियम मगदलीनी अकेली रही, जैसे सब वापस आएं, याने वो फिर बताते हैं कि यीशु की कब्र खाली थी, और यदि आप अपनी मजबूत बात बताएगे, तो स्त्रियों का उपयोग नही कर सकते हैं, क्योंकि न्याय व्यवस्था के अनुसार पहली सदी के पेलेस्टाइन में उनका प्रभाव नही था/ और सबसे अच्छे तरीके से स्त्रियों से शुरू करना सही नही था, और दूसरी बात कि मरियम, ये बहुत सरल था, उन्होंने जी उठे यीशु को देखा था/

सुसमाचार हमें दूर तक चलने के बारे में भी बताता है, दो पुरुष अमाउस के मार्ग पर थे, कुछ मील चलने और बातें करने के लिए कुछ समय लगता है/ इस अजनबी से जो कि यीशु था/

चलों के समूह के सामने भी वो प्रकट हुआ/ युहन्ना 20 में हम देखते हैं कि सारे चेले उपस्थित थे, केवल यहूदा और थोमा नही था, एक हफ्ते वाद दूसरी बार प्रकट हुआ, वहां थोमा भी था, इस विख्यात घटना में, जहाँ थोमा ने सबूत मांगे थे/ एक अध्याय बाद युहन्ना समुन्द्र किनारे मछली पकड़ने के बारे में कहता है, और फिर से यीशु आकर किनारे पर भोजन देता है/ और वो उसे किनारे से देखते हैं/ और जानते हैं पतरस जो हमेशा बेताब था, पानी में कूदता है, नाव में आनेवालों और मछलियों के पहले पहुंचना चाहता था, और उन्होंने किनारे पर यीशु से बातें की/ याने बहुत सी क्रियाएँ हो रही थी, स्त्री और पुरुष थे, व्यक्ति थे, और समूह के लोग थे, भीतर बाहर के लोग थे, खड़े थे, मछली पकडकर भोजन कर रहे थे, उसके साथ चल रहे थे, बहुत से लोग थे/

आप देख रहे हैं, जॉन एन्करबर्ग शो, जिसमे प्रभावी इतिहासकार, थियोलोजीयन और आर्कियोलोजिस्ट हैं, जैसे ये यीशु मसीह के मुर्दों में से जी उठने के बारे में इतिहासिक सबूत देते हैं/

डॉक्टर एन टी राइट: इसलिए इतिहासकार, चाहे वो इतिहासकार संसार के हो, अविश्वासी या विश्वासी हो, जो भी/ इतिहासकार को ये बताना होगा कि हम कैसे इस बात को बता सकते हैं/ कि ये चलन जंगल की आग जैसे फैलती गई, जिसमे यीशु मसीहा है, चाहे यीशु क्रूस पर चढाया गया था फिर भी, और जवाब तो यही होना चाहिए क्योंकि वो मुर्दों में से जी उठा है/

खैर, चेलों की सय्क्लोजिक्ल प्रोफाइल के संबंध में यदि हम विश्वास करते हैं, कि ये सत्य है, कि उन्होंने यीशु का इनकार किया और उसे छोड़ दिया/ कि जब वो क्रूस पर मर रहा था तब उन्होंने उसे छोड़ दिया था, सय्क्लोजिक्ली कुछ महत्वपूर्ण होना था, कि उनके मन को इस खास बात के लिए बदल दे, यीशु के क्रुसिकरण के बाद/

डॉक्टर गेरी हाबरमास: अब रुकीए एक मिनट मैं आपकी बातों का उपयोग कर रहा हूँ, आप निष्कर्ष पर विश्वास नही करते हैं, इसमें कौनसी बात छुट गई है, आप क्या सोचते हैं कि क्या हुआ होगा, सामान्य रूप में उस समय वो इस चर्चा से जितना हो सके उतना दूर जाना चाहिए था, लेकिन यदि वो इस विचार को आगे बढ़ते हैं, तो मेरा विचार है कि जाने गए इतिहासिक सत्य जिसे सारे विद्वान् मानते हैं, वो काफी हैं, कि उन सिद्धांतों को दूर करे और जी उठने के बारे में सबसे अच्छे सबूत दे/

***

डॉ। जॉन एकरबर्ग : संसार जे बहुत ही विख्यात इतिहासकार जो यीशु के जीवन पर लिखते हैं, वो हैं डॉक्टर एन टी राईट, ये कैनन थियोलोजीयन और वेस्टमिनिस्टर एबी इंगलैंड से हैं, 22 साल तक इन्होने ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी में सिखाया/ मैंने डॉक्टर राईट से पूछा कि क्यों वो और दुसरे इतिहासकार ये मानते हैं, कि चले विश्वास करते थे कि जी उठा यीशु उन पर प्रकट हुआ? यीशु के जीवन के बाद आप मसीही चर्च को कैसे बता सकते हैं/

डॉक्टर एन टी राइट: खैर ये बहुत ही दिलचस्प सवाल है/ क्योंकि मसीहियत की शुरवात, ये तो अपने आप में संसार के इतिहास में सबसे असाधारण बात है, सन 20 में, कोई मसीही चर्च नही था, लेकिन सन 120 में, रोम का राजा परेशान होने लगा जैसे उत्तर टर्की के एक सलाहकार ने कहा कि इस मसीहियत के बारे में क्या करे, तो उस सदी में, ये असाधारण बातें अचानक कही से प्रकट होने लगी थी/ और सब शुरू के विश्वासी जिन के बारे में हमारे पास असली सबूत हैं/ वो कहेगे, मैं बताऊँ कि ये क्यों हुआ ये केवल यीशु नासरी के लिए हुए और इसलिए कि वो मुर्दों में से जी उठा है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : अब दोष निकालनेवाले विद्वान् इस बात को स्वीकार करते हैं, कि चेले विश्वास करते हैं कि यीशु उन पर प्रकट हुआ था/ लेकिन फिर वो पूछते हैं, चेलों ने सच में क्या देखा? क्या यीशु उनके सामने अपने असली शारीरिक देह में खड़ा था, या वो एक दर्शन देख रहे थे, या यीशु के बारे में ये भ्रम था, डॉक्टर बेन विथरिंगटन हमें बताते हैं/

बहुत से विद्वान् निश्चित ही कहेगे, कि चेलों ने विश्वास किया कि उन्होंने यीशु को देखा/ और उन में से बहुत से इसे वही छोड़ना चाहेगे, और कहेगे ठीक है, ये सब्जेक्टिव फिनोमिना है, जो यहाँ पर हुआ है, लेकिन यदि आप सुसमाचार के उन डाक्यूमेंट्स का अर्थ लगाने की कोशिश करेगे जो यीशु के जी उठने के बारे में हैं, नए नियम के बाकी सबूत तो इस से बहुत बढकर दावा करते हैं, वो तो यीशु के साथ शारीरिक मुलाकात का दावा करते हैं, उसकी मृत्यु के बाद भी, कि उसने खाया, उसे महसूस किया, उसे स्पर्श किया/ जानते हैं, वो समय और जगह में चल रहा था, सच्चे व्यक्ति के रूप में, याने वो केवल यीशु का दर्शन पाने से ज्यादा का दावा कर रहे थे/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : समान्य रूप में लोगों को बताइए, जो इन सारे सबूतों को अनदेखा करते हैं, इन सारे स्रोतों को जो इन 4-5 तथ्य के लिए सबूत हैं, जो आपने बताए हैं, और जो ये कहते हैं, ठीक है, ये जी उठना नही है, कुछ और हुआ होगा/

डॉक्टर गेरी हाबरमास: मैं सोचता हूँ कि यहाँ कुंजी ये है कि हम ये चर्चा करते हैं, हम ने तथ्यों से शुरू किया जिसे सामान्य रूप में सारे विद्वान् एक रुप में मानते हैं/ और हमारे पास ये लिस्ट हैं, हम ने इस लिस्ट को छोटा बनाया, ये बताने कि कोशीश कर रहे हैं कि मुझे इतने की जरूरत नही है, आपने मुझे बहुत दिए हैं/

अब जब आप दोष निकलनेवाले के विचार से इसे देखते हैं, तो हम कुछ इस तरह से कहते हैं/ मैं जानता हूँ कि नए नियम में इससे बहुत ज्यादा है/ लेकिन मैं पूरा नया नियम नही मांग रहा हूँ, मैं केवल मांग रहा हूँ कि ये कुछ चीजे बताएं जो आपने किताब में मुझे कई बार बताया है/ तो हम इससे दूर जाकर नही कह सकते हैं, खैर कुछ अद्भुत बातें हुई हैं लेकिन पता नही क्या/ कुछ पल के लिए हम वो नही सोचे जो हम नही जानते हैं, वो बेचिदा बातें जो हम नही जानते हैं, लेकिन उसके बारे में कहे जो हम जानते हैं, क्योंकि जो हम जानते हैं, इस 5 बातों में और खासकर और 12 तथ्य सामान्य रूप में, हम जो जानते हैं वो काफी है, कि नेचुरलिस्टिक थेयरी का इनकार करे, हम इससे पीछे न जाए, कि सोचता हूँ कि कुछ और हुआ होगा, नही नही, आपने हमने काफी तथ्य दिए हैं कि कह सके, शुरू के आँखों देखे गवाहों ने विश्वास किया, कि उन्होंने जी उठे यीशु को देखा है/ हमने इसका पर्याय चाहिए, यदि उत्तर ये नही है कि उन्होंने उससे सच में नही देखा है, लेकिन ये तो अद्भुत है, बहुत से विद्वान् इस पर बहस नही करते हैं,अपनी किताबों में, शब्दों में, वो इस पर नही कहते, वो सोचते हैं कि ये जाल है, यदि कुछ कहू तो मेरे पीछे पड़ जाएंगे/

वो कहते हैं रुकीए एक मिनट, मैं आपके तथ्यों का उपयोग कर रहा हूँ, आप निष्कर्ष पर विश्वास नही करते हैं/ इसके बिच कौनसी बात छुट रही है/ आप क्या सोचते हैं कि सच में क्या हुआ होगा? सामान्य रूप में उस समय, जिस पर चर्चा कर रहे हैं, वो कुछ भी कहे, लेकिन यदि वो नेचरलिस्टिक सिद्धात लेते हैं, तो मेरा अनुमान है/ जी जाने हुए इतिहासिक तथ्य जिन्हें सारे विद्वान् मानते हैं, वो काफी हैं, कि उन नेचरलिस्टिक सिधान्तों का इनकार करे/ और जी उठने के लिए सबसे अच्छे सबूत दे/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जो लोग आपको देख रहे हैं, और दिमागी रूप में इस लाइन को पार किए हैं/ और कहते हैं, जी मैं समझ गया, ठीक हैं ये हुआ है, तो अगला कदम क्या है?

डॉक्टर लेन क्रेग: मैं सोचता हूँ कि अलग कदम तो सच में ये जानना है कि यीशु नासरी के पास वो कुंजी है जो अनन्त जीवन के लिए द्वार खोलती है/ यीशु ने कहा कि पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ, जो मुझ पर विश्वास रखता है वो कभी नही मरेगा, और यदि वो मर भी जाए तो भी वो जीएगा/ मैं सोचता हूँ की मृत्यु, तो मनुष्य के लिए सबसे बड़ी शत्रु है, क्योंकि ये सारे मनुष्य को उनके पीछे एक प्रश्न चिन्ह के साथ छोड़ देती है/ मेरे जीवन का अर्थ और महत्व, याने सच में मैं जीता हूँ, केवल मरने के लिए/ और सारी मनुष्य जाती केवल मरने के लिए है/ यीशु का जी उठाना हमें बताता है, कि कब्र हमारी असली मजिल नही है, और अंत में हमारी मंजिल अनन्तजीवन है और परमेश्वर के साथ संगती है/ जो यीशु मसीह में विश्वास करने पर उपलब्ध है/ जैसे उसने वादा किया है/

याने मैं सोचता हूँ कि यीशु का जी उठना यदि सच में हुआ है, तो ये सच में बहुत है महत्वपूर्ण महत्व रखता है/ हर मनुष्य के लिए/ क्योंकि इस में जीवन का अर्थ है, यहाँ इस पृथ्वी पर, और इसके बाद के जविन में भी/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : अब यदि आपके मन में ये विचार आता है कि इतिहासिक सबूत दिखाते हैं कि यीशु सच में मुर्दों में से जी उठा है, क्या आप जानते हैं कि इसे केवल अपने मन में विश्वास करना आपको विश्वासी नही बनाता है/ या चर्च के सदस्य होने से आप विश्वासी नही होते हैं/ आपको क्या करना चाहिए, खैर पहले ये सबूत इस सच्चाई को दर्शाते हैं, जो यीशु ने खुद के बारे में कहा है, वो सत्य है/ याने खासकर वो परमेश्वर का पुत्र है/ दूसरी बात, इस सबूत में हम देखते हैं, कि यीशु ने खुद कहा है कि वो क्यों आया है/ और सुसमाचार किस बारे में है, डॉक्टर डेरेल बॉक डैलस सेमनरी के प्रोफेसर हमने इस बारे में बताते हैं/

रेल बॉक: मैं सोचता हूँ कि सुसमाचार ये शुभसंदेश है, कि परमेश्वर ने आपके जीवन में आपने के लिए मार्ग दिया है/ सदा के लिए/ टिकट के रूप में नही/ ठीक है, लेकिन संबंध में, और उसने उस संबंध में आने के लिए मार्ग दिया है/ यीशु मसीह के व्यक्तिगत काम के द्वारा/ केवल पापों के लिए बलिदान नही, लेकिन उसने प्रयोजन किया कि उसकी आत्मा आपके जीवन में आती है, कि आप परमेश्वर के साथ संबंध में आ सकते हैं, अच्छे संबंध में/ और उस पाप पर विजय पाए जो हम में होता है/ और अच्छी खबर ये है, कि परमेश्वर इस संबंध के लिए समर्पित है/ इस संबंध के लिए इतना समर्पित है, कि उसने अपने एकलौते पुत्र को भेजा, कि वो मरे और ये सब हो, इसके लिए एक ही मांग है, जो वो करता है, एक ही मांग है, वो है कि आप विश्वास कीजिए कि उसने आपके लिए ये किया है, और विश्वास में, आप उस संबंध के लिए मांगे, यीशु मसीह के द्वारा, ये इतना सरल है, और उतनी ही मांग करनेवाला भी/ क्योंकि एक बार परमेश्वर आपके जीवन में आने के बाद, वो वहां है कि अद्भुत काम करे, ऐसा काम जो आपको परमेश्वर के साथ संबंध में जोड़ता है, वो कभी खत्म नही होगा/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : अब जानते हैं, आज केवल दो तरह के लोग प्रोग्राम देख रहे हैं, एक तो आप यीशु के पास आएं, और अपना भरोसा पूरी तरह से उस पर रखे हैं या नही रखे हैं/ यदि आप यीशु पर अपना भरोसा रखना चाहते हैं, उससे कहे कि वो आपके जीवन में काम करे, कि आपको बचाए और माफ करे और बदल दे, उसने वादा किया है कि वो ऐसा करेगा/ क्या ये आपके दिल की इच्छा है? यदि ऐसा है तो मैं प्रार्थना में अगुवाई करूंगा, क्या आप इसे कहेगे?

बस कहिए, हे परमेश्वर मैं जानता हूँ कि मैं एक पापी हूँ, और मैं खुद को बचा नही सकता, मैं विश्वास के साथ आता हूँ प्रभु यीशु कि तू ही परमेश्वर का पुत्र है/ कि तू क्रूस पर मर और मेरे सारे पापों के लिए दाम चुकाया/ और तू उन्हें शुद्ध कर सकता है जो तुझ पर भरोसा रखते हैं/ इसी समय, मैं अपना भरोसा खुद से हटकर, तुझ पर रखता हूँ, मैं जितना भी जानता हूँ वैसे ही/ मुझे माफ कर, और मेरे जीवन में आ, धन्यवाद प्रभु यीशु कि तू मुर्दों में से जी उठा, ये साबित करते हुए कि तूने मृत्यु पर जय पाई है, और जो तुझ पर विश्वास करते हैं उन्हें अनन्त जीवन दे सकता है/ इस पल से आगे, मैं तुझ पर विश्वास करता हूँ, और तुझ पर मेरे उद्धार के रूप में विश्वास करता हूँ, और मैं ये प्रार्थना करता हूँ, यीशु के नाम में, आमीन/

अब आपने ये प्रार्थना की है/ बाइबल कहती है कि परमेश्वर आपके दिल को देखता है, और उसने आपको स्वीकार किया है, आपको माफ किया है, और मसीह के लिए, कि आप उसके साथ सारा अनन्तकाल बिता सके, बाइबल कहती है कि जो भी प्रभु के नाम को पुकारता है, वो उद्धार पाएगा, आज आपने यही किया है, और प्रभु ने यही किया है/

द जॉन एन्करबर्ग शो

पी ओ बॉक्स 8977

Chattanooga, TN 37414

जे ए शो डॉट ऑर्ग

001-423-892-7722

Copyright 2008 ATRI